दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 101 | ग्वालियर, मंगलवार, 14 अप्रैल 2020 | पृष्ठ: 08 - मूल्य 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

कोविड-19 उत्तर प्रदेश के बस्ती में 3 महीने के बच्चे में मिले कोरोना वायरस

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में तीन महीने के बच्चे मे कोरोना वायरस मिले हैं। संभवत: यह देश में सबसे कम उम्र में कोरोना संक्रमण का मामला है। डीएम बस्ती आशुतोष निरंजन ने बच्चे में कोरोना वायरस की पुष्टि करते हुए बताया कि बच्चे के माता-पिता का सैंपल भी भेजा गया था, अभी रिपोर्ट नहीं मिली। इस बच्चे का परिवार बस्ती में पहले मिले कोरोना पॉजिटिव परिवार का पड़ोसी है।

रविवार को मिले थे चार पॉजिटिव केस-बस्ती में कोरोना वायरस के चार और पॉजिटिव केस रविवार को मिले थे। यह सभी कोरोना पॉजिटिव मृतक हसनैन अली के मौसेरे व ममेरे भाई-बहन हैं। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज से मिली रिपोर्ट के बाद कोरोना मामलों के नोडल ऑफिसर एसीएमओ डॉ फकरेयार हुसैन ने यह जानकारी दी थी। अब तक हसनैन और उसके परिवार से संबंधित कुल 12 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। कोरोना पॉजिटिव पाए गए इन चारों भाई बहनों को मेडिकल कॉलेज बस्ती के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती करा दिया गया है। हसनैन की फैमिली से लगातार कोरोना पॉजिटिव मिलने से अब यह मांग उठने लगी है कि तुरकहिया मोहल्ले के सभी लोगों का सैंपल करा दिया जाए। हालांकि जिला प्रशासन पर इस बात के लिए भी उंगलियां उठ रही हैं कि हसनैन के करीबी रिश्तेदारों तक को खोजने में 10 दिन से अधिक का समय लग गया। बावजूद अभी तक उनके हाथ सभी तक नहीं पहुंच पाए हैं।

युवती ने फोनकर दोस्त से मंगाया राशन, प्रेम-प्रसंग के शक में लोगों ने पेड़ से बांधकर पीटा

बड़वानी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के सेंधवा ग्रामीण थाना क्षेत्र में आज राशन लेकर गांव में पहुंचे दो युवकों और एक युवती को प्रेम संबंध होने का आरोप लगाकर पेड़ से बांधकर पीटा गया।सेंधवा ग्रामीण थाना क्षेत्र के नगर निरीक्षक विश्वदीप सिंह परिहार ने बताया कि 19 वर्षीय बोरली निवासी आदिवासी युवती पूर्व में सेंधवा में अध्ययनरत थी। आज उसे और उसके परिवार को राशन की आवश्यकता पड़ने पर उसने सेंधवा निवासी सहपाठी सागर सोनी को फोन लगा कर आवश्यक वस्तुओं को लाने के लिए कहा। इस पर सेंधवा के सुदामा कालोनी निवासी सागर सोनी तथा उसका मित्र भरत जाधव गांव में पहुंचे। उन्होंने कोरोनावायरस के लॉकडाउन के चलते गांव के बाहर ही खड़े रहना श्रेयस्कर समझा और उन्होंने युवती को सामान ले जाने के लिये फोन लगाया। सामान लेने पहुंची युवती पर ग्रामीणों को शंका हो गई कि वह उन लड़कों से प्रेम प्रसंग के चलते मिलने आई है। ग्रामीणों ने उसे युवकों के साथ पकड़ लिया तथा पेड़ से बांध दिया। इस दौरान युवती का परिचित सागर सोनी वहां से भाग निकला तथा सेंधवा पहुंचा। इधर ग्रामीणों ने युवक तथा युवती को जमकर पीटा तथा करीब 4 घण्टों तक बांधे रखा। उनका आरोप था कि आदिवासी युवती और आकाश सोनी में प्रेम प्रसंग है, और चूंकि वह अन्य जाति का है इसलिए यह संबंध स्वीकार नहीं था। इसी बीच सागर सोनी द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने पर डायल-100 वहां पहुंची तथा उन्होंने दोनों को बंधन मुक्त कराया। परिहार ने बताया कि इसके बाद कुछ लोगों ने जबरन दोनों को बांधकर फोटो और वीडियों भी शूट किए। परिहार ने बताया कि लड़की के शिकायती आवेदन पर सिलदार उसके पुत्र सुरेश, लालचंद तथा अन्य लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। युवती तथा भरत जाधव को सिविल अस्पताल सेंधवा में इलाज कराया गया।

महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों की संख्या 2 हजार के पार

82 नए केस आए सामने मुंबई में मिले 59 पॉजिटिव

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के मामले देश में सबसे अधिक तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रदेश में कोरोना मरीजों की संख्या 2 हजार के पार चली गई है। देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां कोविड-19 संक्रमितों की संख्या 2 हजार से अधिक है। इसके बाद दिल्ली और तमिलनाडु में सबसे अधिक कोरोना संक्रमित मरीज हैं। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को बताया कि राज्य में 82 नए कोरोना संक्रमित आए हैं। इनमें से 59 मुंबई से हैं। राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या 2064 हो गई है। अधिकारी के अनुसार कोरोना वायरस के नये मामलों में 59 मरीज मुम्बई के और तथा 12 नासिक जिले के मालेगांव तहसील के हैं। उनके मुताबिक इसके अलावा ठाणे से 5, पुणे से तीन, पालघर से दो और वसाई विरार से एक एक मामला सामने आया है। सबसे अधिक चिंता मुंबई के धारावी स्लम को लेकर है। एशिया की इस बड़ी झुग्गी बस्ती में कोरोना महामारी के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर जारी आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र में कोरोना की वजह से 149 लोगों की मौत हो चुकी है। यह देश के मृतकों की कुल संख्या 308 का करीब आधा है। दिल्ली में कोरोना के 1154 मरीज हैं, जिनमें 27 ठीक हुए हैं तो 24 लोगों की मौत हई है। तमिलनाडु में 1043 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं, जिनमें से 50 ठीक हुए हैं तो 11 की मौत हो चुकी है।

तबलीगी जमात के लापता 58 लोगों सें 40 का पता चला

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र से लापता तबलीगी जमात के 58 सदस्यों में से 40 का पता लगा लिया गया है और उन्हें पृथकवास में रखा गया है। ये 58 लोग पिछले महीने दिल्ली के निजामुद्दीन में जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। मंत्री ने कहा कि इस इस्लामिक संगठन के बाकी 18 सदस्य अब भी लापता हैं तथा उन्हें ढूढ़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह तक इस संगठन के 58 सदस्य लापता थे इनमें से कई व्यक्तियों ने अपने मोबाइल बंद कर लिये थे जिस वजह से उन्हें ढूढना मुश्किल हो रहा था।

यूपी : भाजपा नेता के घर से बिक रही थी शराब पुलिस ने छापा मारकर बेटे को किया गिरफ्तार

जौनपुर। जौनपुर में लॉकडाउन के बाद भी भाजपा नेता के घर से शराब बेची जा रही थी। कालोनी वालों की शिकायत पर पुलिस ने छापा मारकर 69 बोतल शराब के साथ उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद काफी संख्या में कालोनी की महिलाएं कोतवाली धमक पड़ीं और भाजपा नेता के परिवार पर धमकी देने का आरोप लगाया। महिलाओं ने एक पुलिस अधिकारी का नाम बताते हुए आरोप लगाया कि वह भी अक्सर भाजपा नेता के यहां शराब पीने आते थे। एसपी सिटी ने महिलाओं के आरोपों की जांच का आदेश दिया है।

भाजपा काशी क्षेत्र के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मंत्री मनीष सेठी का नगर कोतवाली क्षेत्र के पंजाबी कालोनी में घर है। लॉकडाउन के कारण यहां कई दिनों से लंगर भी चल रहा है। लंगर के बीच ही भाजपा नेता के घर से शराब बेची जाने पर कालोनी की महिलाओं ने कई बार आपत्ति की थी। भाजपा नेता के नहीं मानने पर रविवार की रात महिलाओं ने इसकी शिकायत पुलिस से कर दी। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पवन कुमार उपाध्याय के अनुसार सूचना मिलते ही पुलिस ने आबकारी विभाग की टीम के साथ छापा मारा। शराब बेचते हुए मनीष सेठी के बेटे माणिक सेठी को पकड़ लिया गया। घर के अंदर से 69 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। इस दौरान भाजपा नेता के परिवार वालों की तरफ से पुलिस को विरोध का भी सामना करना पड़ा। परिवार वालों के हंगामा के बीच किसी तरह भाजपा नेता के बेटे को पकड़कर कोतवाली लाया गया। कुछ देर बाद ही काफी संख्या में कालोनी की महिलाएं कोतवाली पहुंच गईं। महिलाओं ने भाजपा नेता के परिवार पर धमकी देने का आरोप लगाया। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि इलाके के एक पुलिस अफसर भी भाजपा नेता के यहां अक्सर शराब पीने आते थे। उनकी खुली छूट के कारण ही लॉकडाउन में भी शराब की बिक्री होती रही। किसी तरह समझाबुझाकर महिलाओं को वापस भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक के अनुसार भाजपा नेता के बेटे को अवैध शराब बेचने के आरोप और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया गया है। एसपी सिटी डाक्टर संजय कुमार के अनुसार महिलाओं के आरोपों की जांच की जा रही है। जो भी पुलिसकर्मी संलिप्त पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। वहीं, सोमवार को भाजपा नेता के बेटे को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

वहां से मत जाना कोरोना हो जाएगा

लॉकडाउन के बीच युवक को बेचना पड़ रहा है घर

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि हो रही है। रविवार के 532 लोगों की तुलना में लगभग 32 की बढ़त के साथ 564 हो गई और मृतकों की संख्या 36 हो गई है। वहीं राज्य के शिवपुर में कोरोना से ठीक हुए एक व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है जिसके चलते युवक को अपना घर बेचना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि शिवपुरी में रहने दीपक शर्मा कोरोना से ठीक हो चुके हैं लेकिन उसके पड़ोसियों के बुरे बर्ताव की वजह से मजबूरी में अपना घर बेचना पड़ रहा है। पड़ोस में रहने वाले लोगों ने उसके दूध वाले, सब्जी वाले सबको उसे कुछ भी देने से मना कर दिया। पड़ोस कहते हैं कि जहां इनके कदम पड़ते हैं वहां से मत जाना कोरोना हो जाएगा। इंदौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण जडिया ने बताया कि शहर में सोमवार को 22 नए कोविड 19 केस आए हैं और एक मौत रिपोर्ट की गई है। अब इंदौर में कुल पॉजिटिव मामले 328 और कुल 33 मौतें हुई हैं।

कोरोना संक्रमित दो कैदी रीवा शिफ्ट किए गए

वहीं मध्यप्रदेश के रीवा जिला मुख्यालय स्थित संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय में सतना से दो कोरोना पॉजिटिव कैदी शिफ्ट किए गए, जिनका इलाज चल रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आर एस पांडेय ने बताया कि इन दोनों मरीजों को रविवार रात सतना से रीवा शिफ्ट किया गया। फिलहाल दोनों की हालत स्थिर है तथा उनका उपचार किया जा रहा है। दरअसल दोनों आरोपियों को इंदौर जेल से सतना शिफ्ट किया गया था। इसी बीच दोनों के सेम्पल लिए गए, जो जांच के बाद कोरोना पॉजिटिव पाए गए।

Vision 2030

GK महाकुंभ

हमारे आज के विजेता हैं

लोक डाउन हमारे लिये नहीं है...

पूनम | शिवानी | रुचि | जूली परमार

लॉक डाउन में भी लोगों का सिर्फ टाईम पास ही नहीं हो रहा है बल्कि ग्वालियर के छात्र एवं छात्रायें घर बैठे बैठे रोज पुरुस्कार भी जीत रहे हैं। र रोज लड़कों के लिये अलग-अलग और लडकियों के लिये अलग-अलग ग्रुप में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रश्नो के उत्तर देकर 251/-, 201/-, 151/-, 101/- और 51/- रुपय के दोनो वर्गों में पुरुस्कार मिलते हैं। अगर आप भी खेलना चाहते हैं तो मोबाइल उठाये ओर हमारे व्हाट्सएप नम्बर 9425823988 पर YES लिखकर मेसेज सेंड करें।

सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई और सुभकामनाएँ।

Vision 2030

GK महाकुंभ

हमारे आज के विजेता हैं

लोक डाउन हमारे लिये नहीं है...

अंकित त्यागी

लॉक डाउन में भी लोगों का सिर्फ टाईम पास ही नहीं हो रहा है बल्कि ग्वालियर के छात्र एवं छात्रायें घर बैठे बैठे रोज पुरुस्कार भी जीत रहे हैं। र रोज लड़कों के लिये अलग-अलग और लडकियों के लिये अलग-अलग ग्रुप में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रश्नो के उत्तर देकर 251/-, 201/-, 151/-, 101/- और 51/- रुपय के दोनो वर्गों में पुरुस्कार मिलते हैं। अगर आप भी खेलना चाहते हैं तो मोबाइल उठाये ओर हमारे व्हाट्सएप नम्बर 9425823988 पर YES लिखकर मेसेज सेंड करें।

अनामिका राजावत

सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई और सुभकामनाएँ।

संपादकीय

किसान की मुश्किल

किसान खेती पर मौसम की मार के अभ्यस्त हैं। पर तैयार फसल की कटाई, मंड़ाई न हो पाए, उसे मंडी तक न पहुंचाया जा सके, तो वह दर्द असह्य हो जाता है। इस वक्त बहुत सारे मजदूर जो शहरों में दिहाड़ी करते थे या मनरेगा वगैरह में काम करते थे, वे गांवों में खाली बैठे हैं। पूर्ण बंदी के इस माहौल में कल-कारखाने, दुकानें, व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, तो किसानों के सामने भी बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। कोरोना विषाणु का प्रकोप ऐसे समय में हुआ जब गन्ने, आलू, प्याज, दलहन वगैरह की फसलें खेतों में तैयार थीं और गेहूं की फसल तैयार हो रही थी। चीनी मिलें पेराई अवधि समाप्त होने से पहले ही बंद हो गईं, जिसके चलते गन्ने की बहुत सारी फसल अभी खेतों में खड़ी है। इससे गन्ना किसानों की परेशानियां समझी जा सकती हैं। अब गेहूं की फसल पक कर तैयार है, पर कटाई के लिए न तो पर्याप्त मजदूर मिल पा रहे हैं और न मशीनें। सामाजिक दूरी बना कर रहने और पांच से अधिक लोगों के एक साथ इकट्ठा न होने का नियम है, सो जहां स्थानीय मजदूर उपलब्ध हैं, वहां भी कटाई में मुश्किलें पेश आ रही हैं। इस साल थोड़े-थोड़े अंतराल पर मौसम का मिजाज भी बदलता देखा जा रहा है। बारिश की वजह से पहले ही फसलों को काफी नुकसान पहुंच चुका है। ऐसे में गेहूं की कटाई, मंड़ाई और फिर बाजार तक पहुंचाना किसानों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन चुका है। इसलिए किसान संगठनों की ओर से मांग उठ रही है कि सरकार इस मामले में कुछ ढिलाई बरते और किसानों के लिए भी राहत पैकेज की घोषणा करे, जैसे मजदूरों के लिए किया है। दरअसल, खेती में काम करने वाले बहुत सारे मजदूर एक से दूसरे प्रदेशों में आवाजाही करते हैं। मसलन, कटाई के मौसम में बहुत सारे मजदूर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से पंजाब और हरियाणा का रुख करते हैं और फिर वापस अपने घर लौट जाते हैं। इसी तरह गेहूं की कटाई और मंड़ाई करने वाली बहुत सारी मशीनें राजस्थान, पंजाब और हरियाणा से दूसरे प्रदेशों में जाती हैं। मगर पूर्ण बंदी की वजह से मजदूरों और मशीनों का आना-जाना भी बाधित हो गया है। हालांकि पंजाब सरकार ने छूट दे दी है कि खेती के काम में इस्तेमाल होने वाली मशीनों के आवागमन पर रोक नहीं रहेगी। इसी तरह मजदूरों पर से भी पाबंदी हटा ली गई है। यों खेती के काम में कभी वैसी भीड़भाड़ नहीं होती जैसी दूसरी व्यावसायिक गतिविधियों में देखी जाती है। सामाजिक दूरी के तय पैमाने जितनी दूरी वहां प्रायः रहती ही है, पर खेतिहर मजदूरों की आवाजाही खोलने से खेतों के अलावा दूसरी जगहों पर इसके पालन न हो पाने का खतरा बना रहेगा। इसलिए पंजाब सरकार अगर यह छूट दे रही है, तो उसे इस पर मुस्तैदी से नजर रखने की जरूरत है। किसान खेती पर मौसम की मार के अभ्यस्त हैं। पर तैयार फसल की कटाई, मंड़ाई न हो पाए, उसे मंडी तक न पहुंचाया जा सके, तो वह दर्द असह्य हो जाता है। इस वक्त बहुत सारे मजदूर जो शहरों में दिहाड़ी करते थे या मनरेगा वगैरह में काम करते थे, वे गांवों में खाली बैठे हैं। उनकी मदद से कटाई-मंड़ाई का कुछ काम हो भी रहा है, पर पांच से अधिक लोगों के एक स्थान पर काम करने पर पाबंदी बाधा बन रही है। इतने कम लोगों से काम पूरा होना मुश्किल है। अब बंदी की अवधि में विस्तार होने के संकेत मिल चुके हैं, कोरोना संक्रमितों की पहचान और उनके उपचार की चुनौतियां बढ़ ही रही हैं।

एकजुट होने का वक्त

प्रभात झा

एकजुट होने का वक्त जनता कर्फ्यू के बाद कोरोना को लेकर केंद्र सरकार ने करोड़ों भारतीयों के हित में एक नहीं अनेक फैसले लिए। पर किसी कांग्रेसी या विरोधी दल ने स्वागत नहीं किया। क्या राष्ट्रीय संकट के इस समय में उन्हें सरकार के साथ नहीं खड़ा होना चाहिए? नियति की नीयत को कोई नहीं जानता। कोरोना विपदा के बारे में भी यही कहा जा सकता है। कोरोना वैश्विक महामारी है। सिर्फ भारत नहीं विश्व के लगभग 190 देश इसकी चपेट में है। उन देशों में भारत भी है जो कोरोना की वैश्विक आपदा से जूझ रहा है। यह संकट किसी के द्वारा लाया नहीं गया है, बल्कि स्वतः आया है। इसे ही प्रकृति प्रदत्त प्रकोप कहते हैं। आजादी के बाद भारत ने ऐसी किसी विकट विपदा का कभी सामना नहीं किया। ऐसे वैश्विक संकट में भारत की राष्ट्र के नाते बड़ी भूमिका हो गई है। कोरोना जन-जन का संकट बन चुका है।

अच्छी बात यह है कि जन-जन के इस संकट से लड़ने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का जन-जन अपने-अपने स्थान पर खड़ा हो गया है। राष्ट्र जीवन में कभी-कभी ऐसा काल आता है, जब राष्ट्र के लिए सबको अपने-अपने विचारों को तिलांजलि देकर राष्ट्र ध्वज तिरंगे के सम्मान में और जनार्दन रूपी जनता के साथ होकर एक साथ खड़ा होना पड़ता है। यह समय ऐसा ही है। जिंदगी गरीब और अमीर हो सकती है, पर हर किसी की जिंदगी, जिंदगी होती है। एक अमीर की सांस का महत्त्व परिवार में जो होता है, उससे कहीं अधिक एक गरीब की सांस का महत्त्व उसके परिवार के लिए होता है। हम मनुष्य हैं। मनुष्य हैं तो विचार करेंगे। विचार करेंगे तो तुलना भी होगी, आकलन भी होगा और समीक्षा भी करेंगे। पूरे देश की जनता राष्ट्र के संकट के दौरान सभी राजनीतिक दलों को पैनी निगाह की नजरों से देख रही है।

आज मैं जब तुलना करता हूं, तो मन में सहसा विचार आता है कि संगठन क्यों होता है? उसमें भी कार्यकर्ता आधारित संगठन का महत्त्व क्यों हो जाता है? एक कदम आगे जाएं, तो उस संगठन का महत्त्व और बढ़ जाता है जिसकी नीचे तक संगठनात्मक संरचना होती है। कहने को कांग्रेस सवा सौ साल से अधिक पुरानी पार्टी है। वर्षों तक भारत में उनका शासन रहा। पर दिक्कत यह रही कि जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने कांग्रेस को कभी भी परिवार से बाहर नहीं आने दिया। अतः धीरे-धीरे देश में उनकी संगठनात्मक संरचना समाप्त हो गई। कांग्रेस आज विरोध के लिए विरोध करने वाली राजनीतिक पार्टी बन कर रह गई है। किसी भी दल में पार्टी से बड़ा नेता नहीं हो सकता। इसका ताजा उदाहरण हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो अपने हर संगठनात्मक भाषण में एक ही बात कहते हैं, ह्वनरेंद्र मोदी की क्या हैसियत है, यह तो भारतीय जनता पार्टी है जिसने देश के प्रधानमंत्री पद पर लाकर खड़ा कर दिया ह्व क्या आज कांग्रेस की सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी यह कहने की हिम्मत रखते हैं?

कोरोना से निपटने के लिए प्रधानमंत्री ने जनता कर्फ्यू लगाया और कोरोना के संकट को देखते हुए 24 मार्च आधी रात बजे से देश बंदी की घोषणा की। यह घोषणा देशहित में थी, न कि दल हित में। जब देश की बात आती है तो उसमें सभी दल, संस्थाएं व एक-एक नागरिक

समर्पित हो जाता है। अटल जी कहा करते थे कि जब देश संकट में हो तो विचारधारा को चादर से ढक कर राष्ट्रधारा के साथ एक साथ खड़े हो जाना चाहिए। भाजपा के लाखों कार्यकर्ता चरणबद्ध और समयबद्ध कार्यक्रम के तहत अनुशासन और सामाजिक दूरी के साथ समाज के बीच जो काम कर रहे हैं, वह सदैव स्मरणीय रखा जाएगा। प्रधानमंत्री जी ने आह्वान किया कि घड़ा-घंटी, शंख बजा कर, ताली बजा कर अपने-अपने घरों में उन सभी को सम्मान दें, जो अपनी जान जोखिम में डाल कर राष्ट्र में लोगों की जिंदगी बचाने में लगे हैं। भाजपा ने इस कार्यक्रम को अपनी संगठनात्मक व्यवस्थाओं के तहत शहर से लेकर गांव तक सफल बनाया, वहीं कांग्रेस ने अपने कार्यकताओं को तो छोड़िए, जनता से अपील तक नहीं की।

जनता कर्फ्यू के बाद कोरोना को लेकर केंद्र सरकार ने करोड़ों भारतीयों के हित में एक नहीं अनेक फैसले लिए। पर किसी कांग्रेसी या विरोधी दल ने स्वागत नहीं किया। क्या राष्ट्रीय संकट के इस समय में उन्हें सरकार के साथ नहीं खड़ा होना चाहिए? क्या भारत सिर्फ भाजपा का राष्ट्र है? इस संकट में जन-जन की भावना की कद्र जो नहीं करेगा, उसे आने वाले दिनों में जनता अच्छी तरह सबक सिखाएगी।

आज भाजपा के कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में ऑडियो-वीडियो से कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सतत सक्रिय हैं। वहीं ऐसे समय में न कांग्रेस का 24, अकबर रोड सक्रिय है और उनके नेताओं के कार्यालय। उनके यहां से सिर्फ प्रधानमंत्री पर आरोप-प्रत्यारोप किया जा रहा है, न कि खुले रूप से आह्वान किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री जी राष्ट्रीय संकट में कांग्रेस हर कार्यकर्ता आपके साथ है। हम सोचते हैं कि कांग्रेस के नेता किस मुंह से यह बात करेंगे, क्योंकि कांग्रेस के पास आज कोई भी संगठनात्मक ढांचा नहीं है। हर कांग्रेसी यह कहता है कि कांग्रेस को हम नहीं जानते, जो भी है सोनिया जी, राहुल जी और प्रियंका जी।

वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने अपने सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों सहित सभी प्रदेश अध्यक्षों से नित्य चर्चा कर रहे हैं। सभी प्रदेश अध्यक्ष अपने-अपने राज्यों के जिला मंडल अध्यक्षों से चर्चा कर रहे हैं। संगठनात्मक आधार पर हर पदाधिकारी को देश में दस-दस जिले का दायित्व दिया गया है। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक केंद्रीय मंत्री को देश के भिन्न-भिन्न राज्यों का कार्य सौंपा है। जहां सरकार कोरोना आपदा पर सूक्ष्म दृष्टि रखे हुए है, वहीं संगठन पूरी तरह अद्यतन जानकारी से युक्त रहता है। संगठन का महत्त्व इससे समझा जा सकता है।

आज हम जब नजर दौड़ाते हैं तो देखने में आता है कि परिवार आधारित राजनीति दलों के पास आज न विचार हैं, न कार्यकर्ता हैं और न संगठन है। अगर है तो सिर्फ परिवार के समर्थन और परिवार से लगाव रखने वाले लोगों का समूह। जब देश संकट से गुजर रहा हो और ऐसे में देश के सभी राजनीति दलों के कार्यकताओं को स्वतः सक्रिय होना चाहिए और संगठनात्मक रूप से उतरना जाना चाहिए। भारत में जब पांच अप्रैल को प्रधानमंत्री ने रात नौ बजे नौ मिनट तक दीया जलाने का आह्वान किया तो देश में झुग्गियों में रहने वालों से लेकर अट्टालिकाओं में रहने वालों तक ने एक साथ खड़े होकर दीये जलाते हुए कोरोना से लड़ने का जन-जन में विश्वास जगाया। लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि कांग्रेस ने इसका भी विरोध किया।

लोकतंत्र में दो पहिए होते हैं, एक सत्ता और दूसरा विपक्ष। सत्ता पक्ष अपने सत्कार्यों से जन-जन में अपना स्थान बनाए रखना चाहता है और विपक्ष की भूमिका राष्ट्र प्रहरी के रूप में सत्ता निर्णय पर पैनी निगाह रखने की होती है। हम सब जानते हैं, स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने विपक्ष के नेता के नाते न केवल भारत में, बल्कि जन-जन के मन में स्थान बनाया। उन्होंने कभी प्रधानमंत्री बनने की बात नहीं सोची, पर देश की जनता ने उनके बारे में अपना मन बनाया कि उन्हें आज नहीं तो कल प्रधानमंत्री बनना चाहिए। आज देश में अटल जी और आडवाणी जी की तरह प्रतिपक्ष की जरूरत है जो राष्ट्रीय संकट में यह नहीं देखते थे कि केंद्र और राज्य में किसकी सरकार है। वे सिर्फ यह देखते थे कि देश का हित किसमें है। लोकतंत्र को कायम रखने के लिए विपक्ष भी कायम रहना चाहिए। काश! कांग्रेस सहित जो भी विपक्षी दल हैं, उन्हें भी यह समझ में आ जाए।

कोरोना आपदा

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन पूर्व में ही कोराना को वैश्विक महामारी घोषित कर चुका है। दुनिया के अधिकांश देश इस महामारी की चपेट में है। सभी देश अपने अपने स्तर पर इस महामारी से मुकाबला कर रहे हैं। चीन के बाद यूरोप के अधिकांश देश अमेरिका, स्पेन इस महामारी की भयंकर चपेट में आए हुए हैं। देश के लोगों को कोरना से बचाने के लिए केंद्र सरकार सभी राज्यों की सरकारों के साथ तालमेल कर इस पर काबू पाने का गंभीरता से प्रयास कर रही है। सरकार के प्रयासों के चलते कोरोना के प्रभाव में कमी देखने को मिल रही थी कि यकायक गत 2 दिनों से कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या में एकाएक बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसका कारण है दिल्ली के निजामुद्दीन एरिया में तबलीगी जमात में हजारों लोगों का एक साथ एकत्रित होना और फिर उनका देश के विभिन्न प्रदेशों में निकल कर वहां के लोगों से मेल मिलाप करना। जहां पूरे देशवासी कोरोना महामारी से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं वही तबलीगी जमात के लोगों ने इस लड़ाई को कमजोर कर कोरोना को फैलने में सहयोग दिया है।

तबलीगी जमात से निकले लोग देश के विभिन्न भागों में कोरोना के वाहक बनकर घूम रहे हैं। केंद्र व दिल्ली सरकार की पाबंदियों के बाद भी तबलीगी जमात के आयोजको ने सरकारी नियमों को तोडकर हजारों की संख्या में वहां लोगों को एकत्रित किया। जिनमें भारत के सभी प्रदेशों के अलावा विदेशों के भी हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए थे। देश में कोरोना वायरस के करीब 400 मामले तबलीगी जमात के कारण सामने आए हैं और यह आंकड़ा आने वाले दिनों में और बढ़ सकता है। केंद्रीय

स्वरक्षा में निहित राष्ट्र सुरक्षा

वायरस महामारी-

वर्तमान में कई वायरस जनित बीमारियां सामने आई हैं जैसे - स्वाइन फ्लू, एड्स आदि उनमें कोरोना वायरस भी एक खतरनाक बीमारी साबित हुआ है। यह जानलेवा बीमारी भारत की ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए विकट समस्या है । इस वायरस की वजह से कई लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

कोरोना वायरस का अर्थ –कोरोना वायरस कई प्रकार के विषाणुओ का एक समूह है जो स्तनधारियों और पक्षियों में रोग उत्पन्न करता है। यह आरएनए वायरस होते हैं। इनके कारण मानवों में श्वसन तंत्र संक्रमण पैदा हो सकता है। जिनकी गहनता हल्की (जैसे - सर्दी जुकाम) से लेकर अधिक गंभीर (जैसे मृत्यु) तक हो सकती है और हो रही है। गाय और सुअर में इनके कारण अतिसार हो सकता है जबकि इनके कारण मुर्गियों के ऊपरी स्वास्थ तंत्र के रोग उत्पन्न हो सकते हैं। इनकी रोकथाम के लिए कोई टीका (वैक्सीन) या विषाणु विरोधी अभी उपलब्ध नहीं है और उपचार के लिए प्राणी की अपने प्रतिरक्षा अथवा प्रतिरोधक प्रणाली पर निर्भर करता है। अभी तक रोक लक्षणों जैसे कि निर्जलीकरण या ज्वर आदि का उपचार किया जाता है ताकि संक्रमण से लड़ते हुए शरीर की शक्ति बनी रहे।

नामोत्पत्ति–लेटिन भाषा में ÷कोरोना÷ का अर्थ ÷मुकुट÷ होता है और इस वायरस के कणों के इर्द-गिर्द उभरे हुए कांटे जैसे ढाँचों से इलेक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी में मुकुट जैसा आकार दिखता है, जिस पर इसका नाम रखा गया था। यह वायरस भी जानवरों से आया है। ज्यादातर लोग जो चीन शहर के केंद्र में स्थित हुआनन सीफ़ूड होलसेल मार्केट में खरीदारी के लिए आते हैं या फिर अक्सर काम करने वाले लोग जो जीवित या नव वध किए गए जानवरों को बेचते थे जो इस वायरस से संक्रमित थे।

परिभाषा–विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोरोनावायरस जनित बीमारी संक्रमण से फैलती है यह एक नए वायरस की वजह से होती है। इस बीमारी की वजह से श्वसन संबंधित की बीमारी जैसे फ्लू होता है। इसके अलावा खांसी बुखार और ज्यादा गंभीर मामलों में श्वास लेने में तकलीफ होना इस बीमारी के लक्षण है खुद को सुरक्षित रखने के लिए अपने हाथों को बार-बार धोते रहिए। इसके अलावा अपने चेहरे को छूने से बचें और जो लोग बीमार है उनसे दूरी बनाए रखें।

कोरोना वायरस के लक्षण–कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण क्या है?

इंसान के शरीर में पहुंचने के बाद कोरोनावायरस उसके फेफड़ों में संक्रमण करता है। इस कारण सबसे पहले बुखार उसके बाद सूखी खांसी आती है। बाद में श्वास लेने में समस्या हो सकती है। वायरस के संक्रमण के लक्षण दिखना शुरू होने में औसतन 5 से 14 दिन लगते हैं। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि कुछ लोगों में इसके लक्षण बहुत बाद में देखने को मिल सकते हैं । विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायरस के शरीर में पहुंचने और लक्षण दिखने के बीच 14 दिनों तक का समय हो सकता है। हालांकि कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह समय 24 दिनों तक का भी हो सकता है। कोरोनावायरस उस लोगों के शरीर में अधिक फैलता है, जिनमें इसके संक्रमण के लक्षण दिखाई देते हैं लेकिन कई जानकार मानते हैं कि व्यक्ति को बीमार करने से पहले भी यह वायरस फैल सकता है।बीमारी की शुरुआत लक्षण सर्दी और फ्लू जैसे ही होते हैं जिससे कोई भी व्यक्ति आसानी से भ्रमित हो सकता है।। चीन से फैले कोरोना वायरस का कहर पूरी दुनिया के साथ-साथ भारत में जारी है। चीन के बाद कोरोना वायरस दुनिया के अलग-अलग देशों में तांडव मचा रहा है। हालांकि, भारत में अभी यह वायरस काबू में है और सरकार से लेकर अन्य स्टेकहोल्डर्स कोरोना वायरस से बचने के लिए लगातार जागरूकता फैला रहे हैं। कोरोना वायरस को लेकर लोगों को में कई तरह की अफवाहें हैं और इससे बचने के लिए क्या-क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इसे लेकर भी लोगों में भ्रम की स्थिति है। इसलिए इस घातक वायरस से बचने के लिए आपको यह जानना जरूरी है क्या करें और क्या न करें।

कोरोना वायरस से बचने के लिए क्या करें..?–व्यक्तिगत स्वच्छता और शारीरिक दूरी बनाए रखें। बार-बार हाथ धोने की आदत डालें। साबुन और पानी से हाथ धोएं या अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल करें। साफ दिखने वाले हाथों को निरंतर धोएं। छींकते और खांसते समय अपनी नाक और मुंह को रूमाल या टिशू से ढंकें। उपयोग किए गए टिशू को उपयोग के तुरंत बाद बंद डिब्बे में फेंकें। बातचीत के दौरान व्यक्तियों से एक सुरक्षित दूरी बनाए रखें, विशेष रूप से फ्लू जैसे लक्षण दिखने वाले व्यक्तियों के साथ। अपनी कोहने के अंदरूनी हिस्से में छींके, अपने हाथों की हथेलियों में न खासें। अपने तापमान को और श्वसन लक्षणों की जांच नियमित रूप से करें। अस्वस्थ्य महसूस करने पर (बुखार, सांस लेने में कठिनाई और खांसी) डॉक्टर से मिलने के दौरान, अपने मुंह और नाक को ढंकने के लिए मास्क का प्रयोग करें। खांसने-छींकने वालों से कम से कम 1मीटर (3 फ़ीट) की दूरी बनाये रखें।

क्या नहीं करें? -हाथ न मिलाएं।अगर आपको खांसी और बुखार महसूस हो रहा है तो किसी के साथ निकट संपर्क में न आएं।

अपनी आंख, नाक और मुंह को स्पर्श न करें।

हाथों की हथेलियों में न छींके और न ही खासें।

सार्वजनिक रूप से न थूकें।

अनावश्यक यात्रा न करें, विशेषकर प्रभावित इलाकों में।

समूह में न बैठें, बड़े समारोहों में भाग न लें। ना ही कोई परिवार, समाज, गांव, शहर, कॉलोनी, आदि में समारोह आयोजित करे।

जिम, क्लब और भीड़-भाड़वाली जगहों पर न जाएं।

अफवाह और दहशत न फैलाएं।

भारत में कोरोना वायरस की स्थिति-

भारत में कोरोना वायरस के अब तक करीब 150 मामले सामने आ चुके हैं। महाराष्ट्र और केरल में कोरोना के अब तक सबसे ज्यादा मामला सामने आया है। वहीं नोएडा में चार मामले सामने आ चुके हैं। कोरोना को देखते हुए कई राज्यों में स्कूल-कॉलेजों को बंद कर दिया गया है और कई सावधानियां बरती जा रही हैं।अंत मे यही कहना चाहूंगा कि जहाँ तक हो सके सके घर और रहें।

स्व रक्षा में राष्ट्र सुरक्षा निहित है।

हर्षित उपाध्याय, उदयपुर (राज.)

श्रेष्ठ रचनाकार 2020 के सम्मान से सम्मानित हुए कांगड़ा के भाषा अध्यापक राजीव डोगरा विमल

कृष्ण कलम मंच,जयपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित साप्ताहिक प्रथम अप्रैल 2020 में प्रतिभागिता लेकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर कांगड़ा के भाषा अध्यापक राजीव डोगरा विमल को श्रेष्ठ रचनाकार 2020 के सम्मान से सम्मानित किया। उनको यह सम्मान संस्था के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सैनी तथा उपाध्यक्ष पूर्णिमा मिश्रा के कर कमलों से प्राप्त हुआ राजीव को सम्मान देते हुए अध्यक्ष महोदय ने राजीव को हिंदी साहित्य में ऐसे ही आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।सम्मान मिलने पर उनके पिता हंसराज माता सरोज कुमारी और बड़े भाई पीएचडी शोधकर्ता अमित डोगरा तथा स्कूल के मुख्याध्यापक महेंद्र सिंह,रविंदर नरयाल खण्ड स्त्रोत केंद्रीय समन्वयक खण्ड कांगड़ा के बी.आर.सी,कुल्लू के साहित्यकार तथा संस्कृति के संरक्षक राज शर्मा और शिमला के साहित्यकार रोशन जसवाल ने अत्यंत खुशी व्यक्त की तथा राजीव को ऐसे ही अपने जिले और हिमाचल का नाम रोशन करने के लिए उत्साहित किया।

आपका शुभचिंतक
राजीव डोगरा (युवा कवि और लेखक)
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
(भाषा अध्यापक)

तब्लीगी जमात की करामात

योगेश कुमार गोयल

फिलीपींस में राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते द्वारा वहां लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए गए हैं। दरअसल वहां लोग धड़ल्ले से लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे थे, जिससे कोरोना का खतरा वहां लगातार बढ़ रहा था। सिंगापुर में भारतीय मूल के 52 वर्षीय एक व्यक्ति को कोरोना-कोराना चिल्लाने तथा होटल के फर्श पर थूकने के मामले में गत दिनों दो महीने की जेल की सजा सुनाई गई है।

जर्मनी में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने वालों पर 500 यूरो (करीब 41 हजार रुपये) का जुमार्ना लगाया जा रहा है। सऊदी अरब में जो भी व्यक्ति शॉपिंग मॉल इत्यादि में थूकता पाया गया, उसके लिए वहां मौत की सजा का प्रावधान है। एक तरफ जहां पूरी दुनिया आज कोरोना से जंग में एकजुट है, वहीं भारत में तब्लीगी जमात वालों ने तेजी से सफलता की ओर बढ़ रही कोरोना की लड़ाई को पलीता लगा दिया है। दरअसल जब से तब्लीगी जमात के लोगों में कोरोना महामारी फैली है, तभी से जिस प्रकार इस जमात के लोग पूरे देश में संक्रमित मिल रहे है, उससे समाज में घबराहट पैदा होना स्वाभाविक है। यह वही तब्लीगी जमात है, जिसका मलेशिया में कुआलालंपुर की एक मस्जिद में 27 फरवरी से 1 मार्च तक एक धार्मिक आयोजन हुआ था। उस आयोजन को कोरोना संक्रमण फैलाने का एक बड़ा कारण माना गया था। वहीं से दर्जनों जमाती पर्यटक वीजा लेकर दिल्ली के निजामुद्दीन मरकस में पहुंचे, जहां तमाम सरकारी दिशा-निर्देशों को धत्ता बताकर इस साल एक जनवरी से ही देश-विदेश के कई हजार जमातियों का जमावड़ा कई दिनों तक जुटा रहा। यही इन जमातियों में कोरोना फैलने की बड़ी वजह बना और जिस प्रकार यहीं से इनमें से बहुत सारे जमाती देश के कोने-कोने में चले गए, उनके जरिये कोरोना के अब बड़े स्तर पर फैलने का अंदेशा है। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके से निकाले गए 2361 जमातियों में से बहुत सारे कोरोना संक्रमित पाए जा चुके हैं लेकिन इसके बावजूद अस्पतालों में शांति से अपना इलाज कराने के बजाय इनमें से अधिकांश द्वारा जिस तरह का घिनौना और गैरजिम्मेदाराना रवैया दिखाया जा रहा है, उसे देखते हुए कहीं न कहीं लगने लगा है, जैसे जमात के लोगों द्वारा जानबूझकर देश में कोरोना संक्रमण फैलाया जा रहा है। इन नर पिशाचों के इरादे कितने खतरनाक हैं, यह इसी से पता चलता है कि जब इन्हें निजामुद्दीन मरकस से डीटीसी की बसों से इलाज के लिए अस्पतालों तक ले लाया जा रहा था तो ये चेहरे से मास्क हटाकर स्वास्थ्य कर्मियों, पुलिस वालों और सड़क पर थूक रहे थे। जिस कोरोना से आज पूरी दुनिया भयाक्रांत है, अगर उसी कोरोना को ये लोग जानबूझकर थूक-थूककर हर जगह फैलाने का घृणित प्रयास कर रहे हैं तो यह इनकी जेहादी मानसिकता का स्पष्ट परिचायक है। इस जेहादी मानसिकता का एकमात्र इलाज यही है कि समय रहते ऐसे जहरीले नागों का फन कुचल दिया जाए। दिल्ली के निजामुद्दीन में तब्लीगी जमात के एक कार्यक्रम में शामिल होने आए हजारों लोगों में से बहुत सारे लोग देशभर के विभिन्न इलाकों में अपने-अपने गांव या शहर वापस लौट चुके हैं। ऐसे लोगों की तलाश किया जाना बहुत मुश्किल हो रहा है और इनकी वजह से कोरोना संक्रमण देश के विभिन्न हिस्सों में तेजी से फैलने का खतरा भी गहरा गया है। दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय से जुड़े लोगों को उन्हीं के कुछ लोगों द्वारा सोशल मीडिया के जरिये अफवाहें फैलाकर यह कहते हुए गुमराह किया जा रहा है कि कोरोना मुसलमानों के खिलाफ एक बड़ी साजिश है। इसी के चलते कोरोना से जंग जीतने के प्रयासों में जुटे डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ और पुलिस वालों पर जगह-जगह हमले किए जा रहे हैं। एक ओर डॉक्टर, नर्स, पुलिस जैसे हमारे कोरोना योद्धा अपनी जान पर खेलकर कोरोना से जंग जीतने की कोशिशों में जुटे हैं, वहीं ऐसे समाज विरोधी तत्व जिस प्रकार इन प्रयासों में हर कदम पर बाधा पहुंचा रहे हैं, ऐसे अपराध के लिए इस तरह के लोगों को ऐसा कड़ा दण्ड दिए जाने की सख्त आवश्यकता है, जिससे इनके परिजनों की भी रूह कांप उठे और इनकी सात पीढ़ियां तक ऐसा करने के बारे में सपने में भी न सोच सकें। वर्तमान परिस्थितियों में हमारे स्वास्थ्य कर्मी किसी मसीहा से कम नहीं हैं लेकिन कोरोना के संदिग्ध माने जा रहे जमातियों द्वारा हर जगह स्वास्थ्य परीक्षण में असहयोग करने और बेहूदगी की सारी हदें पार करने के कारण संक्रमण बढ़ने के खतरे के साथ-साथ मेडिकल स्टाफ की चुनौतियां भी कई गुना बढ़ गई हैं। दरअसल जमातियों की बेहूदगी की पराकाष्ठा को देखते हुए कई अस्पतालों में मेडिकल स्टाफ से महिला स्टाफ को पूरी तरह हटाने को विवश होना पड़ा है। अधिकांश अस्पतालों से इस तरह की खबरें सामने आ रही हैं कि ये लोग किस प्रकार मेडिकल स्टाफ के साथ न केवल दुर्व्यवहार और अश्लील हरकतें कर रहे हैं बल्कि जगह-जगह थूकने के अलावा अपने हाथों पर थूक लगाकर दीवारों, रेलिंग इत्यादि सभी जगहों पर पोत रहे हैं। गाजियाबाद के अस्पताल में तो छह जमातियों ने नर्सों के सामने अपने सारे कपड़े उतारकर और अश्लील हरकतें कर अपनी सड़ी-गली मानसिकता का स्पष्ट परिचय भी दिया था।

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

मिला-जुला

ग्वालियर, मंगलवार, 14 अप्रैल 2020

लॉक डाउन को लेकर अम्बाह पुलिस

घर से बे वजह सड़क पर निकलने वालों से कराई उठक बैठक, रास्ते किए सील...

केशव प्रसाद शर्मा ब्यूरो

अम्बाह... कोरोना वायरस को हराने के लिए पुलिस व प्रशासन आये दिन सख्ती दिखा रहा है इसके बाबजूद भी लोग गलियों में क्रिकेट खेल कर, एक साथ बैठ गप्पे मार कर ,ताश खेलकर खतरा बढ़ा रहे हैं, ऐसे लोग पुलिस की गाड़ी का सायरन सुनते ही मौके से भाग निकलते हैं और फिर पुलिस के जाते ही जमा हो जाते हैं शनिवार को भी दिन भर पुलिस सड़कों पर घूम कर मुनादी करवाती रही कि घरों में रहे लेकिन फिर भी लोग नही माने जिसके चलते अनेक जगह पुलिस को शक्ति दिखानी पडी और जो सड़क पर दिखा उससे उठक-बैठक लगवाई और कान पकड़ कर दंडित किया इस दौरान शहर के कई इलाकों में दूध, फल,सब्जी की सप्लाई की गई वही गैस सिलेंडर की सप्लाई भी कई घरों तक पहुंची

ग्रामीण अंचलों की तरफ से वे वजह के आवागमन को रोकने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेट्स भी लगाए और पुलिसकर्मियों की तैनाती की इस दौरान वाहन लेकर निकल रहे लोगों से सख्ती से पूछताछ की प्रशासन की तरफ से एसडीएम विनोद सिंह, एसडीओपी अबनीश बंसल, तहसीलदार सर्वेश यादव ,टीआई शिव सिंह यादव, एसआई महावीर शर्मा व सतैन्द्र सीसौदिया ने अलग अलग टीम बनाकर लोगों को घरों के अंदर रहने के लिए प्रेरित किया साथ ही बेवजह निकल रहे लोगों के साथ सख्ती भी दिखाई और दिन की अपेक्षा शनिवार सुबह 7~00 बजे ही पुलिस ने सड़कों को खाली करा दिया इससे दिनभर नगर में सुनसान बनी रही।

भिंड विधायक संजीव सिंह ने जनता के हित में उठाया सराहनीय कदम

एक माह की तन्ख्वाह और अपने वेतन में से तीस प्रतिशत राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में की दान

भिण्ड। कोरोना वायरस से जारी लड़ाई के बीच कोरोना की चैन ब्रेक करने के लिए विधायक संजीव सिंह कुशवाह शहर में प्रशासन का सहयोग कर स्वयं प्रयासरत हैं इसी संदर्भ में उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष में अपने एक माह का वेतन का सम्पूर्ण दान कर कोविड-19 की प्रदेश की जंग में समर्पित किये। इसके साथ ही उन्होंने एक साल तक अपने वेतन की तीस प्रतिशत राशि भिण्ड विधानसभा में कोरोना की रोकथाम में उपयोग करने के लिए स्वीकृत की है।

इस अवसर पर विधायक संजीव सिंह कुशवाह ने कहा कि हम सभी कोरोना से जारी जंग से लगातार लड़ रहे हैं। जनता प्रशासन का सहयोग करें जिन लोगों तक मास्क, सैनेटाइजार भोजन नहीं पहुंचा हैं उनके बीच हमारी टीम पहुंचकर भोजन और दवायें वितरण करा रही है। मैंने शासन को अपनी एक माह की राशि राहत कोष में दान कर दी है इसके अलावा मैं एक वर्ष तक अपनी वेतन की तीस प्रतिशत राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में दान करूंगा। साथ ही जनता से अपील की है कि आप सोशल डिस्टेंस और होम स्टे का पालन करें जिस प्रकार की भी परेशानी आपको होती है तो आप बेझिझक जिला प्रशासन और मुझे अवगत करायें आपका सहयोग किया जायेगा।

बोरिंग पंप चालू करने पर की मारपीट

भिण्ड। गोहद थाना क्षेत्र में बोरिंग मशीन का पंप चालू करने पर बाप-बेटे ने एक व्यक्ति की मारपीट कर दी। शिकायत पर पुलिस ने दोनों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार रविवार को फरियादी हरिशचन्द्र पुत्र धनीसिंह बघेल निवासी निवरोल ने गोहद थाना पहुंचकर पुलिस को बताया कि गांव में आरोपी जिलेदार पुत्र रामनारायण बघेल एवं हरिओम पुत्र जिलेदार निवासी निवरोल ने मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। मारपीट की वजह आरोपियों के घर के सामने स्थित बोरिंग मशीन का पंप चालू करना बताई गई। पुलिस ने शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

गोहद विधानसभा क्षेत्र में कोरोना महामारी के चलते नहीं मिल रहे मजदूर किसान स्वयं ही कर रहे हैं काम

गोहद। तहसील के ग्रामीण अंचल में किसानों की गेहूं सरसों चना आदि फसल पककर कटने और कतरने को तैयार है कई किसानों की फसल मंडी में बिक्री के लिए तैयार रखी हुई है लेकिन भारत में कोरोना रूपी महामारी वायरस के चलते संपूर्ण भारत लोक डाउन है जिस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी और कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है जिसका प्रमुख कारण यह है कि झांसी छतरपुर आदि स्थानों से आने वाले मजदूर जो फसल की कटाई कराया करते थे वह अब नहीं आ पा रहे हैं जिस कारण किसान के सामने काफी परेशानी का आ गई है।

आरम्भ समिति ने 1301 रक्तदान पूर्ण किए और जरूरतमंद को रक्त मुहैया कराया

पुष्पांजली टुडे

सतना / आरम्भ युवाओं की नई सोच समिति इस विषम परिस्थिति में भी निरंतर जरूरतमंद लोगों की मदद कर रही है गरीबों में भोजन वितरण कर रही है इसी के साथ-साथ रक्तदान की जो मुहिम आरंभ समिति की चल रही है अभी तक आरंभ समिति ने 1301 जरूरतमंद लोगों रक्त मुहैया करा चुकी है इसी क्रम में आज रोहित सिंह चौहान ने 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला को रक्त देकर उनकी जान बचाई आरंभ समिति रोहित को तहे दिल से धन्यवाद ज्ञापित करती है कि उन्होंने वैश्विक महामारी में भी समय निकालकर समाज सेवा का कार्य किया आरम्भ समिति के अध्यक्ष अंकित रॉकी शर्मा ने कहा कि हमारी समिति निरंतर लोगों में भोजन वितरण कर रही है और लोगों को कोरोना से बचने के लिए जागरूक कर रही है और निरंतर रक्तदान करके जरूरतमंद लोगों की मदद कर रही है आरंभ समिति के सचिव सूर्य प्रकाश गुप्ता ,कोषाध्यक्ष रोहित सिंह दिनोदिया दद्दे, उपाध्यक्ष साहिर कुरेशी , साजदा परवीन, सोनाली सिंह परिहार, शिखा पांडे, प्रदीप कुशवाहा ,राहुल दहिया ,रावेंद्र सिंह परिहार ,नारायण कुशवाहा, हिमांशु शर्मा, मुकेश सोनी ,शिवेंद्र चतुर्वेदी ,अभिलाष मिश्रा, विपिन सेन आदमी सदस्य निरंतर समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं।

मधुशाला स्थापना दिवस कार्यक्रम ऑनलाइन सम्पन्न

उदयपुर(अर्पित गुप्ता)

मधुशाला साहित्यिक परिवार लॉक डाउन के चलते मधुशाला का तीसरा स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।कार्यक्रम अद्यक्षता की मधुशाला साहित्यिक परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्षा मधु जैन ने की।उपयुक्त कार्यक्रम में अलका जैन, नीरजा शर्मा, शिवा अग्रवाल,चीनू शर्मा , दिनेश प्रसाद तथा हेमलता पालीवाल ने मधुशाला परिवार के सेवा क्रियाकलापो के संदर्भ में कविता प्रस्तुत की। हरीश चंद्र सिंह गनोड़ा, आरिनिता, तृप्ति गोस्वामी, जितेंद्र जीत,गौरव घाणेराव,रजनीश गौयल तथा रजनी राणा ने मधुशाला की साहित्य के परिपेक्ष्य में कविता प्रस्तुत की।राम पांचाल भारतीय,महावीर जैन, सूर्यकरण सोनी,मीरा श्रीवास्तव ,निक्की शर्मा रश्मि तथा जयरूप पटेल ने ऑडियो तथा वीडियो के माध्यम से गीत गजल आदि सुनाए। कार्यक्रम में मधुशाला सहित्यिक परिवार के 100 से अधिक रचनाकारो को मधुशाला गौरव सम्मान से प्रशस्ति पत्र द्वारा ऑनलाइन सम्मानित किया किया गया।इस दौरान मधुशाला परिवार के वरिष्ठ साहित्यकार सतीश आचार्य एवं विपीन वत्सल शर्मा द्वारा मधुशाला पर रचित गीतों का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीपेश पालीवाल में किया आभार हर्षित उपाध्याय एवं राहुल सेठ में व्यक्त किया।

सीएमओ ने दबोह को कोरोना मुक्त बनाने का लिया जिम्मा

फायर विग्रेड से नगर को कराया सेनेटाइज

(मोहित गोस्वामी)

दबोह। विश्व व्यापी महामारी कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने दबोह नगर को कोरोना मुक्त बनाने का जिम्मा लिया है।यहां बता दें कि कोरोना नामक महामारी से निपटने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर द्वारा दबोह नगर में मुख्य मार्ग पर फायर विग्रेड से घर दुकान व मकान को सेनेटाइज कराया गया और लोगो से घरो में रहने को अपील की गई।इसी के साथ उन्होंने थाना दबोह व थाना परिसर में लगी हुई गाड़ियों को भी सेनेटाइज किया।यहां बता दें कि नगर परिषद दबोह के द्वारा भिण्ड कलेक्टर के आदेशानुसार नगर में कीटनाशक दवा का छिड़काव व पाउडर का भी छिड़काव कराया गया है जिससे मच्छरो व कोरोना वायरस के प्रकोप से बचा जा सके।इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने बताया कि अभी मुख्य मार्ग के हर घर व दुकान को सेनेटाइज कराया गया है इसी तारम्भ में हम पूरे नगर को जल्द ही सेनेटाइज कर लेंगे और दबोह को कोरोना मुक्त बनाएंगे।कोरोना वायरस के चलते सीएमओ ने जनता से अपील की है कि वह खुद सुरक्षित रहे और दूसरों को रखें।उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए बार-बार अपने हाथों को हैंड वाश,साबुन या पानी से अच्छी तरह साफ करें।छींकते और खांसते समय अपने मुह व नाक को टिशु या रुमाल से ढंके।बुखार,खांसी,जुखाम होने पर तुरन्त डॉक्टर से संपर्क करें।डॉक्टर से मिलने के दौरान मुंह को मास्क,रुमाल आदि से ढंके।जिनमें खांसी,जुखाम,बुखार के लक्षण हो ऐसे व्यक्तियों से कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाकर रखें एवं बचे।घर से बाहर न निकले एवं बच्चों को भी बिल्कुल बाहर ना निकलने दे।भीड़भाड़ वाली जगह पर जाने से बचें और प्रशासन का सहयोग करें।

लहार नगर पालिका में सीएमओ महेश पुरोहित के निर्देशन कर्मचारियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

लहार। लहार के मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेश पुरोहित के निर्देशन में नगर पालिका प्रशासन लहार द्वारा कोरोना महामारी (ष्ट्श1द्वस्न19) संक्रमण की गम्भीरता को देखते हुए नगर मे अति-आवश्यक सेवाये दे रहे नगर पालिका परिषद लहार के समस्त स्वच्छता संरक्षको व अन्य कर्मचारियों का स्वस्थ्य परीक्षण लहार सिविल अस्पताल के डॉक्टर श्री दिलीप भदोरिया जी ओर उनकी टीम द्वारा किया गया ओर नगर की संपूर्ण वार्डो मे स्वच्छता संरक्षको द्वारा कीटनाशक दवा मलेरिया आयल व टेन्कर, फायर बिग्रेड सप्रेयर मशीनो द्वारा हाइपोक्लोराइट सेनिटाइजर सोलुशन का सप्रे व फोग सप्रेयर मशीन द्वारा फोग सप्रे निरन्तर कराया जा रहा है, लहार सी एम ओ महेश पुरोहित ने नगर के लोगों से मास्क लगाने बार बार हाथ धोने एवं सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा सोशल डिस्टेंस बनाए रखने की अपील की है।

आवश्यकता है

पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज पोर्टल को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

देश के सभी प्रदेशों मे, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड

कार्यालयः ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस, इन्क्लेव मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर

संपर्कः 7999246560, 8269307478

Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

पुलिस ने मुर्गा व नारू गैंग का एक और सदस्य

शातिर चोर व नकबजन रमेश उर्फ पिंडारी लुहार को गिरफ्तार किया

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नवनीत भसीन ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर मध्य श्री पंकज पांडेय व नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा ग्वालियर श्री रवि भदौरिया के निर्देशन व पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर टी आई आलोक परिहार के नेतृत्व मेंमुर्गा व नारू चोर गेंग का साथी रमेश उर्फ पिंडारी लुहार पुत्र बिहारी लाल उम्र 42 वर्ष निवासी चार शहर का नाका ग्वालियर को मां वैष्णव पुरम कॉलोनी को गिरफ्तार किया ।रमेश उर्फ पिंडारी वारदात करने की नियत से एक लोहे का धारदार छुरा लेकर आया था जिसे मुखबिर की सूचना पर दबोच कर छुरा जब्त किया ।धारा 25 (क्ष) आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज किया।

रमेश उर्फ पिंडारी थाना हजीरा का हिस्ट्री शीटर है जिसके विरुद्ध थाना ग्वालियर ,जीआरपी झाँशी ,दिल्ली में बलात्कार मारपीट, ,चोरी ,नकबजनी ,अवैध वसूली सहित करीब 25 से अधिक अपराध दर्ज हैं। यह ग्वालियर से करीब दस वर्ष पहिले दिल्ली भाग गया था व नई दिल्ली स्टेशन में जेब काटता था ।करीब 7 साल पहिले इसने थाना निजामुद्दीन दिल्ली क्षेत्र में एक अंधी युवती के साथ बलात्कार किया था व कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा दी थी ।यह 6 वर्ष बाद तिहाड़ जेल दिल्ली से कुछ माह पहिले छूटकर आया है व मुर्गा व नारू गेंग में शामिल होकर विनोद राठौर के मकान माँ वैष्णव पुरम कॉलोनी में रहने लगा था । पुलिस थाना हजीरा की टीम - टी आई आलोक परिहार , प्रधान आरक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, जनक सिंह ,लेखराज गुर्जर व लवकुश कुशवाह , रूप किशोर व राहुल राजवत की मुख्य भूमिका रही ।

सामुदायिक पुलिसिंग (नगर/ग्राम रक्षा समिति) के वरिष्ठ सदस्य व पूर्व जिला संयोजक विनय जैन द्वारा थाना गोला का मंदिर सदस्यों का उत्साह वर्धन किया गया

ग्वालियर। सामुदायिक पुलिसिंग (नगर/ग्राम रक्षा समिति) के वरिष्ठ सदस्य व पूर्व जिला संयोजक श्री विनय जैन जी द्वारा थाना गोला का मंदिर, ग्वालियर के नगर रक्षा समिति सदस्यों की ड्यूटी का निरीक्षण किया गया ! श्री जैन द्वारा सभी सदस्यों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा गया की पुलिस अधीक्षक ग्वालियर नवनीत भसीन व अतरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर पूर्व व सामुदायिक पुलिसिंग (नगर/ग्राम रक्षा समिति) नोडल अधिकारी श्रीमती सुमन गुर्जर के निर्देशानुसार और थाना प्रभारी हीरा सिंह चौहान के मार्गदर्शन मे थाना गोला का मंदिर के थाना कैप्टन व सदस्यों द्वारा सम्पूर्ण लोकडाउन के दौरान गोला का मंदिर थाना क्षेत्र मे लगातार दिन-रात पुलिस प्रशासन के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर कार्य किया जा रहा है वह अत्यंत ही सराहनीय है और आप सभी इसी जोश और ईमानदारी के साथ आगे भी लगातार निःस्वार्थ भाव से कोरोना फाइटर्स बनकर कार्य करते रहे तभी इस महामारी की लड़ाई हम सब जीत पाएंगे ! इसके साथ ही सामुदायिक पुलिसिंग (नगर/ग्राम रक्षा समिति) के वरिष्ठ सदस्य डॉ. राजकुमार दत्ता द्वारा वीडियो कॉल करके अपनी तरफ से भी सभी सदस्यों का उत्साह वर्धन किया गया।

कोरोना वायरस के चलते यूको बैंक कर्मचारियों की बड़ी लापरवाही

बैंक द्वारा सोशल डिस्टेंस का नही कराया जा रहा पालन

दबोह (मोहित गोस्वामी)

कोरोना वायरस संक्रमण के चलते शासन प्रशासन चाहे कितने भी प्रयास करले परन्तु धरातल पर इन सब नियमो का पालन नही हो रहा है।मामला यूको बैंक दबोह का है जहां पर आधिकारियो की मनमानी के चलते सोशल डिस्टेंस का पालन नही हो रहा है।यहां बता दें कि कोरोना नामक वैश्विक महामारी के चलते देश के प्रधानमंत्री के द्वारा लोकडाउन में गरीब परिवारों की सहायता के लिए सोशल डिस्टेंस को ध्यान में रख कर सभी विभागों व संस्थाओ के द्वारा मदद करने की अपील की जा रही है तो वहीं कई जगहों पर इन सभी विभागों व संस्थाओं द्वारा प्रधानमंत्री की अपील का पूर्णरूप से पालन भी किया जा रहा है परंतु भिंड जिले के कस्बा दबोह की यूको बैंक में स्थिति इन सब से अलग है जहाँ लगातार लगभग तीन दिन से सोशल डिस्टेंस का मजाक बनाया जा रहा है यहाँ गरीब परिवारो के द्वारा सुबह से ही भीड़ लगना प्रारंभ हो जाती है जब इन लोगो को गस्त के दौरान निकलते पुलिस के द्वारा देखा जाता है तो सभी को दबोह पुलिस के द्वारा सोशल डिस्टेंस से खड़ा कर दिया जाता है।यहां बताना मुनासिब होगा कि जब तक नियमो का पालन कर डिस्टेंस में खड़े लोगो का नम्बर आता है तब तक बैंक में पदस्थ कर्मचारी के द्वारा बाहर आ कर लाइन में खड़े

लोगो को टोकन(पर्ची)न देकर बाहर पीछे की ओर खड़े लोगो को मुंह देखा व्यवहार करते हुए टोकन(पर्ची) दे कर चलते बनते हैं।तो वहीं बैंक के अंदर बिना टोकन(पर्ची) के रुपये नही निकाले जा रहे है इसी कारण फिर सभी गरीब लोग सोशल डिस्टेंस छोड़कर दोबारा भीड़ के रूप में एकत्रित हो एक दूसरे को धक्का मारने लगते है कई गरीब घर की महिलाएं सुबह से अभी तक दोपहर की इस कड़ी धूप में उस पर्ची का इंतजार करे जा रही है जिससे उन्हें पैसे निकाल अपना घर चलाना है ऐसी स्थिति में अब कैसे रुक पायेगा इस छुआछूत की वैश्विक महामारी का सिलसिला या फिर बैंक द्वारा इसी प्रकार उड़ता रहेंगा डिस्टेंस का मजाक।।

इनका कहना

1-एक बार मे 10 टोकन बांटे जा रहे हैं,सोशल डिस्टेंस का पालन किया जा रहा है।

विशम्भर सिंह जाट
शाखा प्रबंधक

2-बैंक अधिकारी द्वारा अभद्रता की जा रही है तो वहीं बैंक कमर्चारी द्वारा गरीब जनता के साथ मुँह देखा व्यवहार करते हुए आपसी व्यवहार को देखकर टोकन बांटे जा रहे हैं।

हरिओम चौरसिया
दबोह

3-घर का पूरा काम छोड़ सुबह से बैंक के बाहर बैठे हैं पर दोपहर होने चुकी है और अब तक नम्बर नही आया,और पीछे खड़े लोगो का काम जल्दी हो रहा है।

उर्मिला देवी
दबोह

सर्व ग्वालियर एप उपभोक्ताओं को रोजमर्रा की वस्तुएं उपलब्ध कराने में निभा रहा है अहम भूमिका

ग्वालियर। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने हेतु लागू लॉकडाउन के दौरान ग्वालियर वासियों को नगर में रोजमर्रा की वस्तुएं उपलब्ध कराने में ÷सर्व ग्वालियर एप÷ अहम भूमिका निभा रहा है। जिला पंचायत के आजीविका डे मिशन के तहत सर्व ग्वालियर एप के माध्यम से लॉकडाउन के दौरान जिला प्रशासन ने जहां नागरिकों को अपने घरों में रहने एवं भीडभाड़ वाले क्षेत्र में न जाने की अपील की है। ऐसे वक्त में सर्व ग्वालियर एप के माध्यम से नागरिकों की मांग के आधार पर होम डिलेवरी कर जरूरत की वस्तुएं निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। सर्व ग्वालियर एप के माध्यम से कार्य शुरू करने से लेकर अभी तक 2 हजार से अधिक ऑर्डर प्राप्त किए जा चुके हैं। जिसमें से एक हजार 800 से अधिक उपभोक्ताओं को डिलेवरी बॉय द्वारा सामग्री की होम डिलेवरी की गई है। उपभोक्ताओं ने सर्व ग्वालियर एप के माध्यम से लॉकडाउन के दौरान रोजमर्रा की वस्तुओं की होम डिलेवरी करने की जिला प्रशासन की इस कदम की सराहना की है। विनयनगर सेक्टर-3 के निवासी श्री निशांत गोयल ने बताया कि उन्होंने एप के माध्यम से 5 किलो आलू की बुकिंग कराने पर उत्तम क्वालिटी का उचित मूल्य पर घर बैठे आलू प्राप्त हुआ। विनयनगर सेक्टर-2 के निवासी श्री विमल शर्मा ने बताया कि एप के माध्यम से उन्होंने रोजमर्रा की वस्तुओं की डिमांड की थीं, जो उन्हें समय पर पूर्ण गुणत्ता के साथ प्राप्त हुईं। जिससे वे सामग्री खरीदने की चिंता से मुक्त हुए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने सर्व ग्वालियर एप के माध्यम से उपभोक्ताओं को ऑर्डर पर होम डिलेवरी के कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों एवं संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं को सामग्री पूर्ण गुणवत्ता एवं उचित दर एवं समय पर प्राप्त हो। राज्य ग्रामीण आजीविका के स्व-सहायता समूह के सदस्यों द्वारा सीधे किसानों से संपर्क कर सब्जी, फल तथा अन्य खाद्य सामग्री खरीदी जाती है। उनकी साफ-सफाई एवं सेनेटाइज्ड कर स्वच्छता का पूरा ध्यान रखते हुए मोटर साइकिल के माध्यम से डिस्ट्रीब्यूटर बॉय द्वारा सामग्री की होम डिलेवरी की जा रही है।

जूम एप से महिला–बाल विकास के मैदानी अमले को प्रशिक्षण

ग्वालियर। कोविड-19 की जंग में परिस्थितियां सामान्य होने में कितना वक़्त लगेगा, अभी निश्चित नहीं है, लेकिन लॉक-डाउन में महिला-बाल विकास विभाग ने बच्चों, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण के प्रयासों को जारी रखा है। विभाग का मैदानी अमला, विशेषकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस अमले को कोविड-19 की वर्तमान परीस्थितियों और भविष्य की चुनौतियों से निपटने की तैयारी भी कराई जा रही है। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा अपने मैदानी अमले को %घर पर रहिए, सुरक्षित रहिए - साथ में सेवाएँ भी देते रहिए की संकल्पना के साथ डिजिटल माध्यम का उपयोग करते हुए डिस्टेंस ट्रेनिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में कोविड-19 और इससे बचाव, पोषण की निरंतरता और आँगनवाड़ियों की आकस्मिक सेवाओं की प्रदाय व्यवस्था को शामिल किया गया है। यूनिसेफ़ के सहयोग से यह प्रशिक्षण जूम एप के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। इस प्रकार सोशल डिस्टेंस का पालन भी हो रहा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478